स्टीवन और हरे-कछुए

विलियम जे. क्रॉमी

चित्र : टॉम ईटन

स्टीवन और हरे-कछुए

विलियम जे. क्रॉमी

चित्र : टॉम ईटन
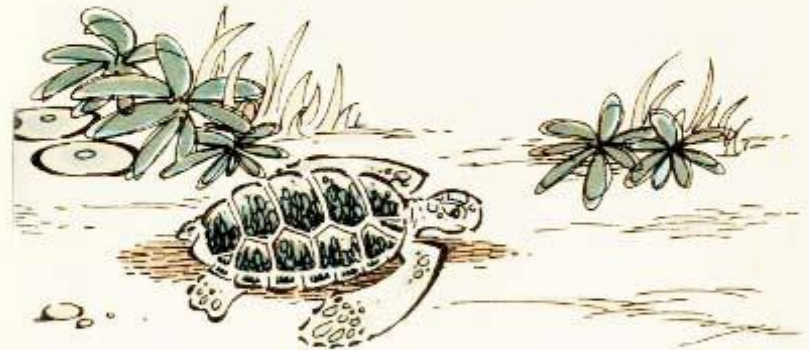
भाग 1

स्टीवन ने अपने जीवन में
ऐसा अजीब नज़ारा पहले कभी नहीं देखा था.
समुद्र तट पर सैकड़ों कछुओं के बच्चे थे

स्टीवन, कोस्टा रिका में रहता था.
वो अक्सर बड़े और
वयस्क कछुए ही देखता था.
लेकिन उसने कभी कछुओं के
बच्चे नहीं देखे थे.

समुद्र तट पर गड्ढों से केकड़े
निकल रहे थे.
उन्होंने छोटे कछुओं का पीछा किया.
एक केकड़े ने अपने नुकीले पंजों से
एक कछुए को पकड़ लिया.
केकड़ा कछुए को अपने छेद की
ओर घसीटने लगा.
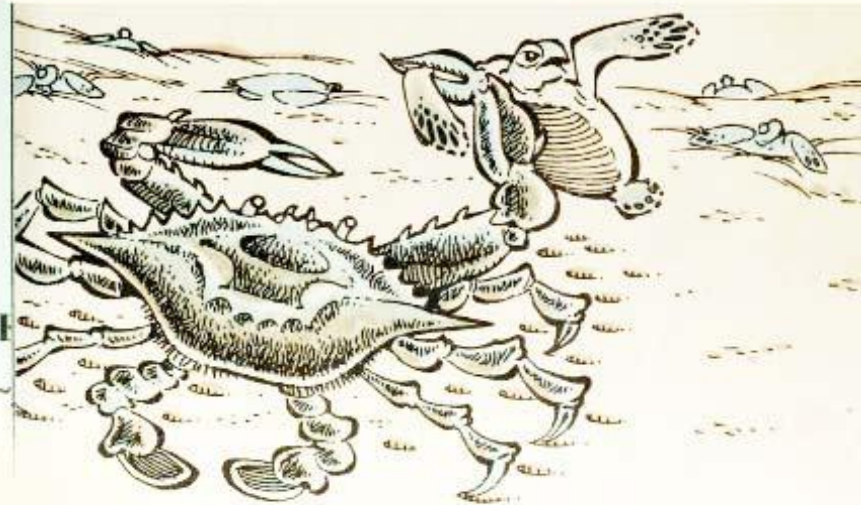
स्टीवन ने कछुए को पकड़ लिया.
उसने मुक्त कराने का प्रयास किया.
लेकिन केकड़ा उसे दबोचे रहा.
फिर स्टीवन ने केकड़े को
एक पेड़ के तने से मारा.
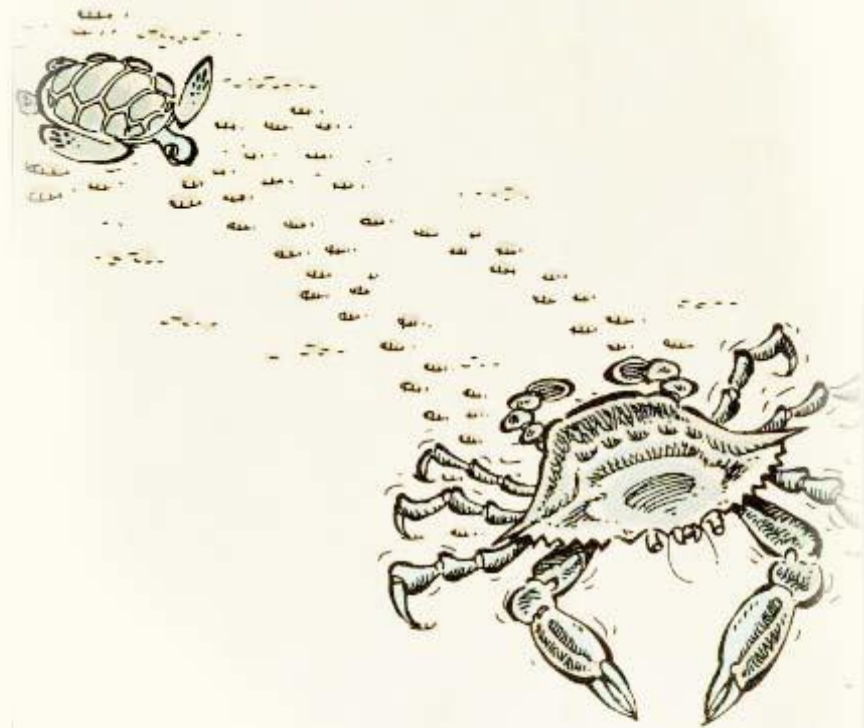
उससे काम बना!
केकड़े ने कछुए के बच्चे को छोड़
दिया और वो खुद भाग गया.
कछुए का बच्चा अब मुक्त था.

कछुए के फ्लिपर्स थे.

उसके पिछले फ्लिपर्स गोल थे

टेबल-टेनिस के बल्लों की तरह.

उसके अगले फ्लिपर्स

छोटे पंखों की तरह लग रहे थे.

उनके किनारे कटे हुए थे.
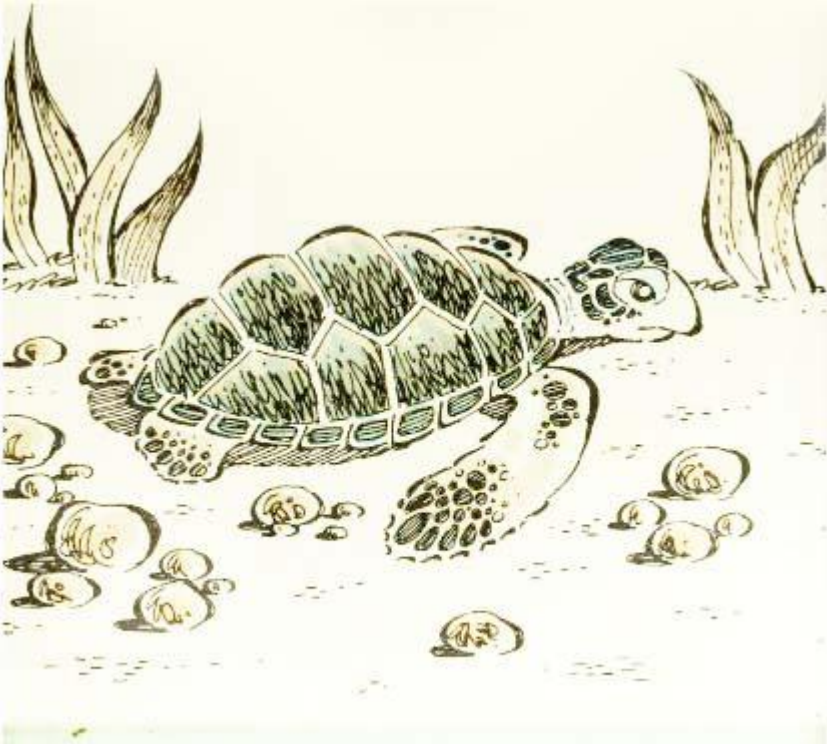
स्टीवन ने कभी भी किसी कछुए के

फ्लिपर्स में कट नहीं देखे थे.

"मैं तुम्हें निकी बुलाऊंगा," स्टीवन ने कहा.

"तुम बहुत अच्छे हो. शायद मैं तुम्हें

अपने पालतू जानवर जैसे रखूंगा."

फिर उसने अपना मन बदल लिया.
"मैं एक ऐसा कछुआ खोजूंगा
जिसके फ्लिपर्स कटे न हों."
उसने बेहतर कछुए के लिए
चारों ओर देखा.
अचानक स्टीवन को
एक आवाज़ सुनाई दी.
उसने एक कुत्ते को कछुओं
का पीछा करते देखा.
कुत्ते ने उनमें से एक को खा लिया.
तभी स्टीवन ने कुत्ते को
निकी के पास आते देखा.
"उस कछुए से दूर हो जाओ!"
स्टीवन चिल्लाया.
स्टीवन ने कुत्ते को भगा दिया.

स्टीवन ने निकी को समुद्र
की ओर जाते हुए देखा.

छोटा कछुआ धीमा और अनाड़ी था.
एक चिड़िया निकी को
पकड़ने के लिए लपकी.
स्टीवन, कछुए की मदद के लिए दौड़ा.
चिड़िया की चोंच निकी
के ऊपर बंद हुई.
चिड़िया उड़ने लगी.

लेकिन नन्हा कछुआ चिड़िया
की चोंच से फिसल गया.
कछुआ अपनी पीठ के बल गिरा.
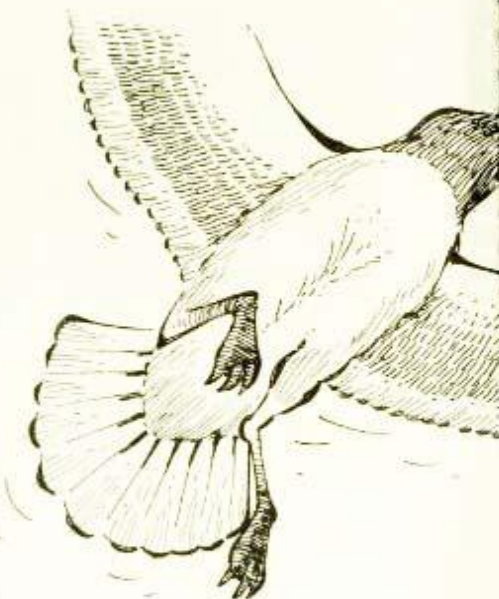
स्टीवन ने निकी को सीधा किया.
"मुझे लगता है कि मेरे बिना तुम्हारा
काम नहीं चलेगा," उसने कहा.
"मुझे तुम्हें एक पालतू जानवर
जैसे रखना ही होगा."

स्टीवन ने निकी को समुद्री पानी
से भरी बाल्टी में डाल दिया.
फिर वो जाल लेकर नदी में उतरा.
वहां उसने कुछ छोटे झींगे पकड़े.
उसने उन्हें निकी को दिए.

कछुआ उन्हें खा गया.
निकी बहुत तेजी से बढ़ा.
जल्द ही बाल्टी ,
कछुए के लिए छोटी पड़ी.
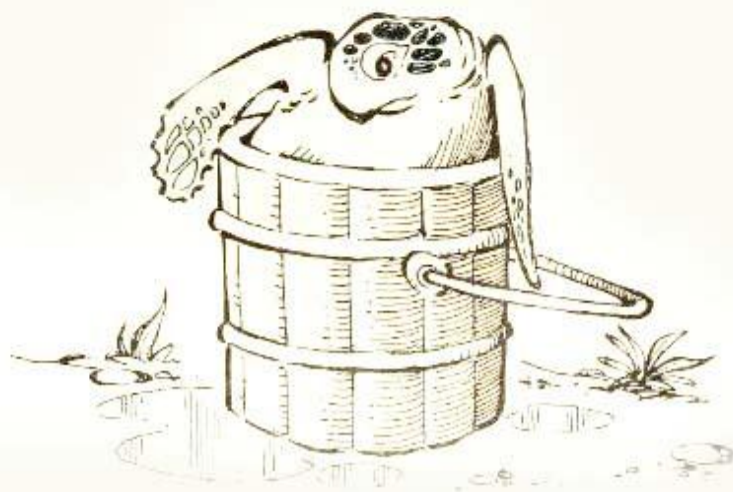
स्टीवन के पिता ने निकी के लिए
लकड़ी का एक बड़ा टैंक बनया.
पर कछुआ बढ़ता ही रहा.

जब निकी एक साल का हुआ,
तब स्टीवन को कछुए को
उठाने के लिए अपने दोनों हाथों
की जरूरत पड़ी.
निकी के रहने के लिए उसके पास
अब इतना बड़ा टैंक नहीं था.

स्टीवन के पिता ने समुद्र
में एक बाड़ बनाई.
वो बाड़ कछुए के लिए काफी बड़ी थी.
वो स्टीवन के लिए भी काफी बड़ी थी.
हर दिन स्टीवन अपने पालतू
जानवरों के साथ वहां तैरता था.
वे घंटों साथ खेलते थे.
स्टीवन ने निकी को
टैग खेलना सिखाया.
उसने कछुए के सिर को छुआ.
फिर वो तेजी से तैरकर दूर गया.
फिर कछुए ने स्टीवन का पीछा किया.
कछुए ने स्टीवन को अपनी
चोंच से छुआ.

क्योंकि अब निकी

उसका पालतू जानवर था,

इसलिए स्टीवन अब हरे कछुओं के

बारे में और जानना चाहता था.

स्टीवन और उसके पिता शहर गए.

वहां वे एक्वेरियम देखने गए.

वहां के लोग समुद्र में रहने वाले

जानवरों के बारे में बहुत कुछ जानते थे.

स्टीवन ने उन्हें अपने कछुए के बारे में बताया.

उन्होंने कहा कि निकी एक मादा थी.

उन्होंने बताया कि समुद्र में अब बहुत

कम हरे-कछुए ही बचे थे.

लोगों ने बहुत सारे हरे-कछुओं
का शिकार किया था.
उन्होंने कहा कि निकी के लिए मुक्त
रहना ही बेहतर होगा.
निकी फिर उस जगह जाएगी
जहां कछुआ-घास होगी.
कछुआ-घास एक समुद्री शैवाल होती है
जो लंबी पतली घास
की तरह ही दिखती है.
वो गर्म उथले पानी में उगती है.
जब निकी बड़ी होगी, तो वो एक
नर कछुए के साथ संभोग करेगी.
वो अपने अंडे देने के लिए कोस्टा रिका
के समुद्र तट पर वापस आएगी.
फिर उन अंडों में से बच्चे कछुए निकलेंगे.
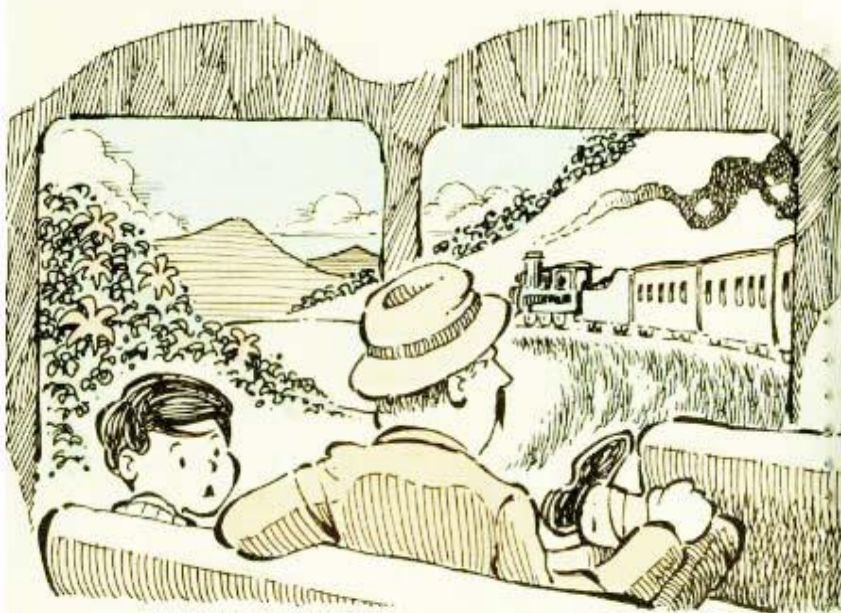
उस रात स्टीवन सोते समय रोया.

घर के रास्ते में स्टीवन और उनके
पिता ने इस बारे में बात की.
उन्होंने निकी को छोड़ने का
फैसला किया.
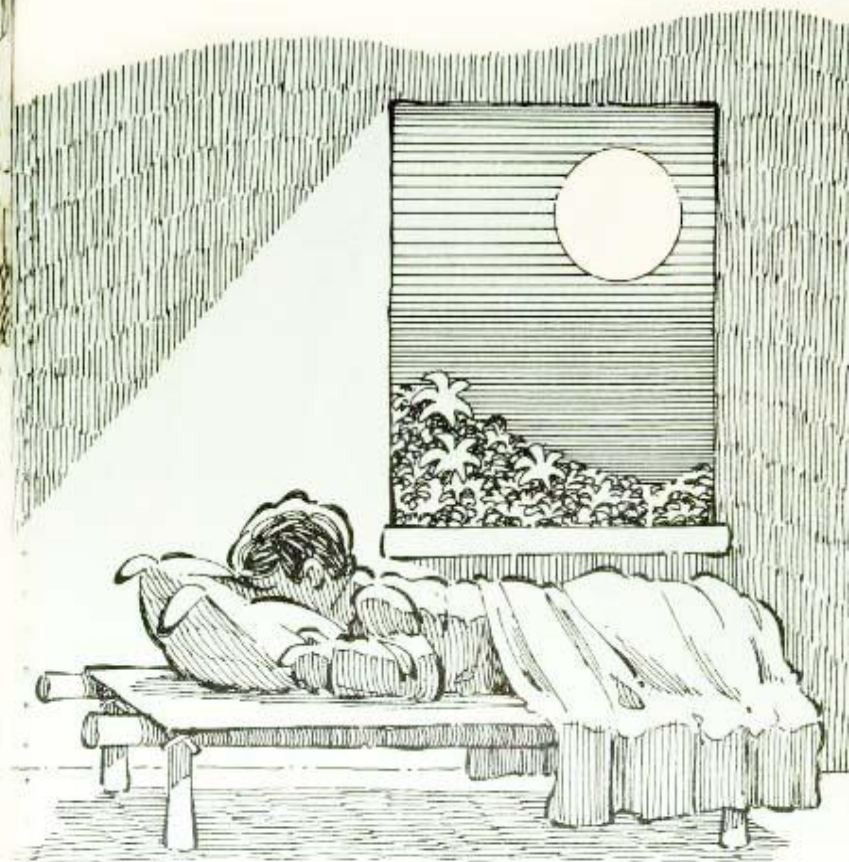
सुबह-सुबह वो निकी के बाड़े में गया.
उन्होंने टैग का खेल खेला.
स्टीवन ने निकी को पकड़ा
और उसे गले लगाया.

उस दोपहर स्टीवन के पिता ने,
निकी को जाने दिया.
कछुआ तैरने लगा.
स्टीवन उसके साथ-साथ तैरा.
निकी अपने फ्लिपर्स के साथ तैरी.
स्टीवन उसके साथ नहीं तैर सका.
उसे यकीन था कि वो अपने पालतू
जानवर को फिर कभी नहीं देखेगा.

भाग 2

निकी सतह के ठीक नीचे तैर गई.
कभी-कभी उसका सिर सांस लेने के
लिए हवा में ऊपर उठता था.
जब कछुओं के बच्चे इस तरह ऊपर
उठते हैं तो पक्षी उन्हें पकड़ लेते हैं.
पर अब निकी बहुत बड़ी हो गई थी और
उसे कोई चिड़िया उठा नहीं सकती थी.

लेकिन वो अभी भी खतरे से बाहर नहीं थी.
समुद्र में बड़ी और भूखी मछलियाँ थीं.
एक दिन निकी को अपने सामने पानी में
दो बड़ी आकृतियाँ दिखाई दीं.
वे शार्क थीं! निकी ने तुरंत डुबकी लगाई.
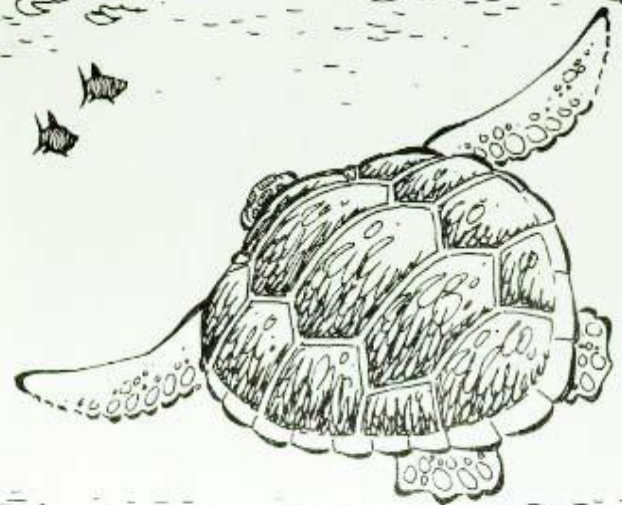
एक शार्क उसके पीछे आई.

लेकिन निकी, चट्टानों के बीच

एक छेद में घुस गई.

शार्क ने अपना सिर छेद में डालकर

निकी को पकड़ने की कोशिश की.

लेकिन उसका सिर बहुत बड़ा था.

शार्क सिर्फ चट्टान को ही काट पाई.
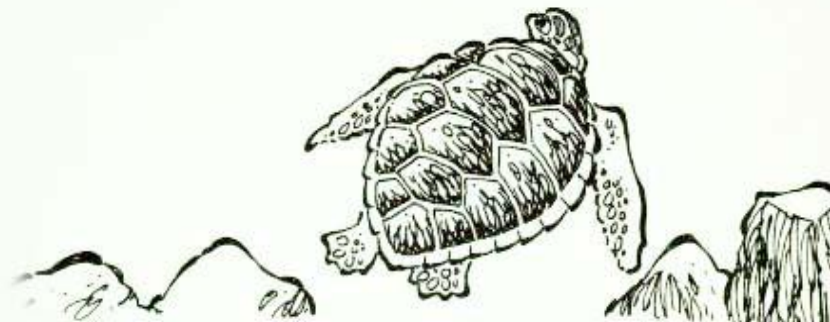
निकी तब तक सुरक्षित थी

जब तक वो अपनी सांस रोक सकती थी.

वो अपनी सांस घंटों तक रोक सकती थी.

कुछ देर बाद शार्क ने हार मानी

और तैर कर निकल गई.

बाद में निकी भी तैरकर निकल गई.

निकी रात में तल पर आराम करती थी.
वो दिन में तैरती थी.
दो सप्ताह से अधिक समय तक वो तैरती रही.
फिर निकी ने दूसरे हरे-कछुओं को देखा.
उन्हें देख वो भी तेजी से तैरने लगी.

वो अब कछुआ-घास के एक
बड़े मैदान में पहुंची.
एक लंबी यात्रा के बाद निकी
बहुत भूखी थी.
उसने खाया और खाया.
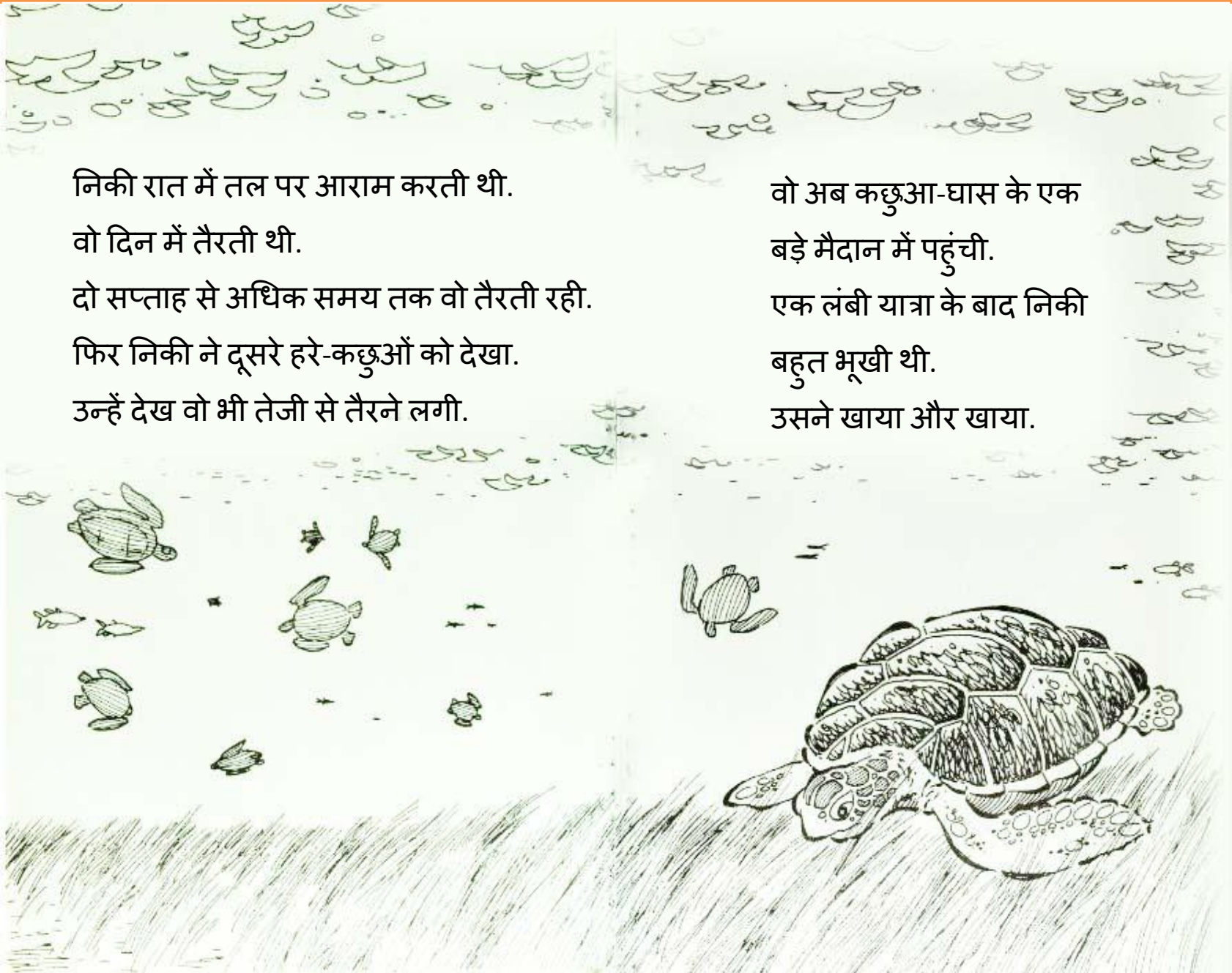
तभी उसे पानी के नीचे
एक चट्टान मिली.
निकी ने इस चट्टान में
अपना घर बनाया.
निकी प्रतिदिन कछुआ-घास
के मैदान में जाती थी.
वो हर रात चट्टान पर वापस आती थी.
निकी बड़ी और बड़ी होती गई.
जब वो सात साल की हुई तो उसका
वजन लगभग एक सौ पाउंड था.
उसका खोल इतना बड़ा था कि कई
बच्चे उसकी पीठ पर बैठ सकते थे.

स्टीवन भी बड़ा हो रहा था.
वह अक्सर निकी को देखता था.
जब वह चौदह साल का हुआ
तब स्टीवन ने अपने चाचा की
मदद करना शुरू की.
वे भोजन के लिए मछली
और हरे-कछुए पकड़ते थे.

भाग 3

एक दिन निकी ने कछुआ-घास
खाना बंद कर दी.
उसने अपनी चट्टान छोड़ दी.
और वो वापस तैरने लगी
उस स्थान पर जाने के लिए
जहां वो पैदा हुई थी.
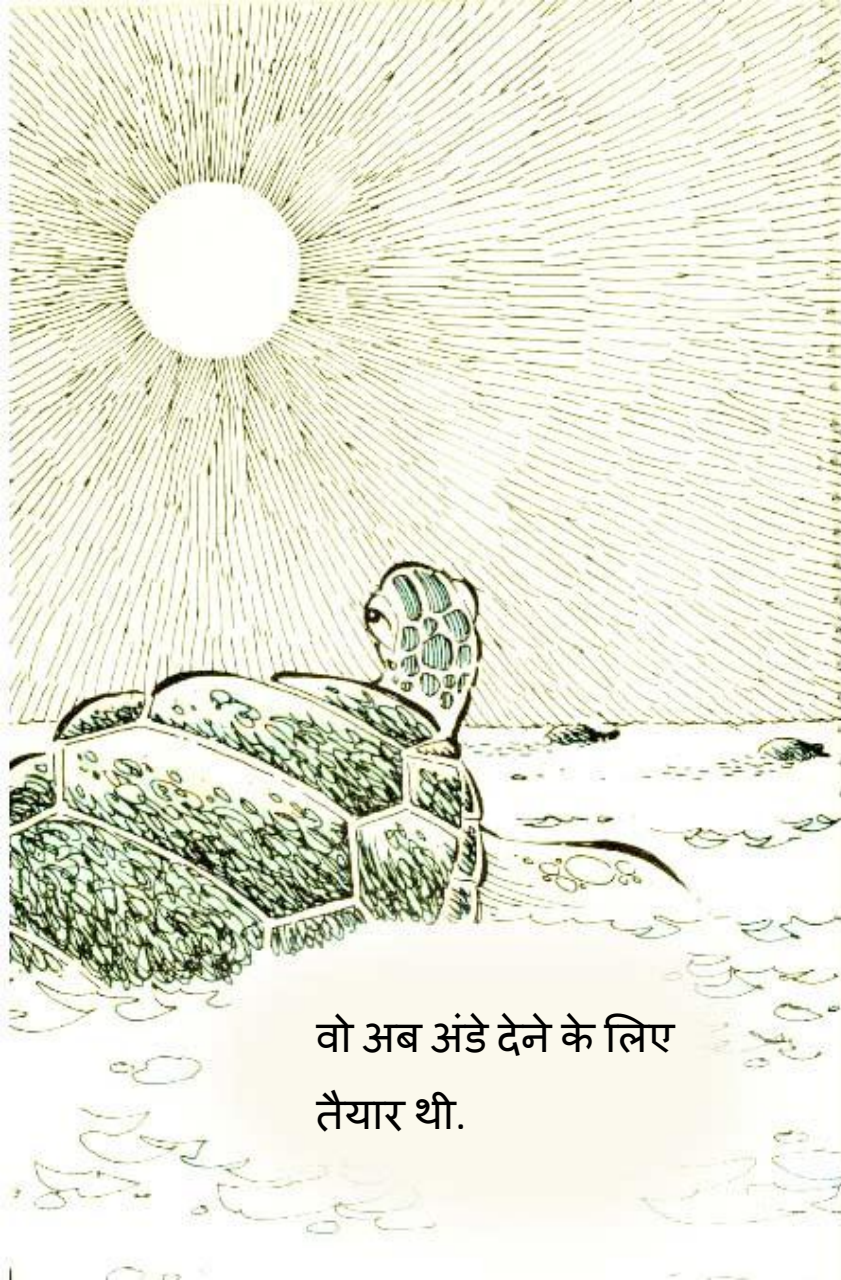
वो अब अंडे देने के लिए
तैयार थी.

अन्य मादा कछुओं ने भी
घर जाना शुरू कर दिया.
उनमें से कुछ का जन्म स्टीवन के
घर के पास समुद्र तट पर ही हुआ था.
किसी तरह निकी को रास्ता मिल गया.
शायद उसने सूरज की तरफ देखा होगा.
शायद उसने पानी के बहने की
दिशा को महसूस किया हो
या फिर उसकी गंध को.
शायद उसने वहां का
नमकीन पानी चखा हो.
निकी बहुत तेज तैर सकती थी.
वो अब बहुत बड़ी और सख्त थी
इसलिए ज्यादातर मछलियाँ
उसे खा नहीं सकती थीं.
शार्क भी उस पर हमला नहीं कर सकती थीं.

लेकिन उस कछुए का अभी भी
एक खतरनाक दुश्मन था - मनुष्य!
शिकारी जाल और हारपून के साथ,
हरे-कछुओं को पकड़ने की कोशिश करते थे.
समुद्र तट के पास शिकारी
अपनी नावों में इंतजार कर रहे थे.

निकी एक नाव के पास सांस लेने के लिए आई.
एक आदमी ने उसे देखा और उसने अपना
हारपून (भाला) उठाया.

लेकिन नाव में कोई और भी था.

वो स्टीवन था.

स्टीवन अपने चाचा की

मदद कर रहा था.

वो कछुए के फ्लिपर्स में कटे हिस्से

देखकर निकी को पहचान गया.

"रुकें!" स्टीवन चिल्लाया.

उसने चाचा का हाथ पकड़ लिया.

"उस कछुए को मत मारो," उसने कहा.

"मुझे लगता है कि वो निकी है."

"तुम इतनी पक्की तौर पर

यह कैसे कह सकते हो?" उसके चाचा ने पूछा.

"क्या आपने कभी इस तरह के नुकीले

कछुए को देखा है?" स्टीवन से पूछा.

चाचा ने न में उत्तर दिया.

"लेकिन फिर भी हम निश्चित नहीं हो सकते,"

उन्होंने कहा.
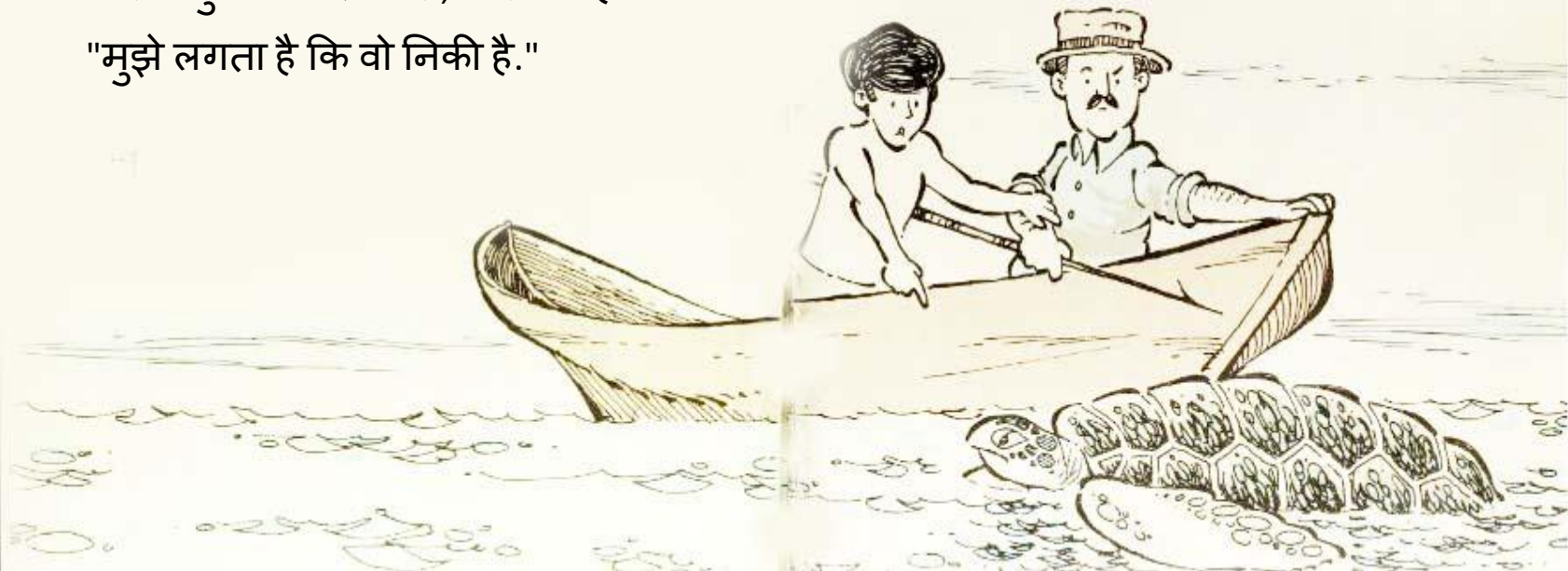
' हमें खाने के लिए मांस चाहिए.
और हमें पैसे चाहिए. हम कछुओं का
कुछ मांस और खोल बेच सकते हैं."
स्टीवन के चाचा ने फिर से
अपना हारपून उठाया.

"मत मारो," स्टीवन ने विनती की.
"वो अंडे देने के लिए समुद्र तट
पर जा रही है. यदि आप उसे अभी मार
देंगे फिर कोई कछुआ ही नहीं बचेगा."
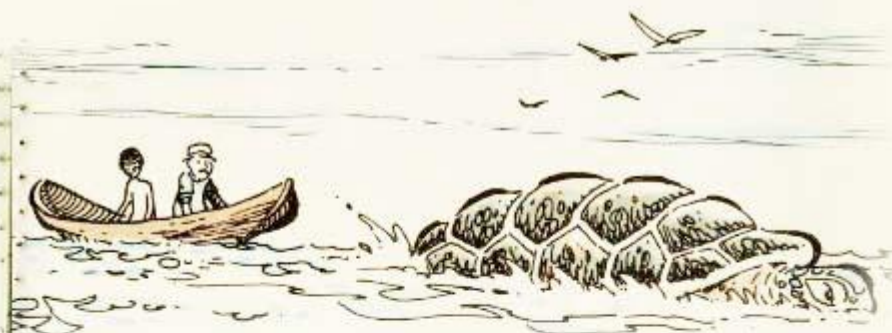
स्टीवन के चाचा ने अपना हारपून
नीचे रख दिया.
"तुमने सही कहा," उन्होंने कहा.
"मैं उसे नहीं मारूंगा."

हरे-कछुए समुद्र तट पर तब आते हैं
जब अंधेरा होता है.
उस रात स्टीवन ने निकी
की तलाश की.
लेकिन वह नहीं आई.
हर रात स्टीवन समुद्र तट
पर जाता था.
एक रात पूरा चाँद तेज़ी
से चमक रहा था.
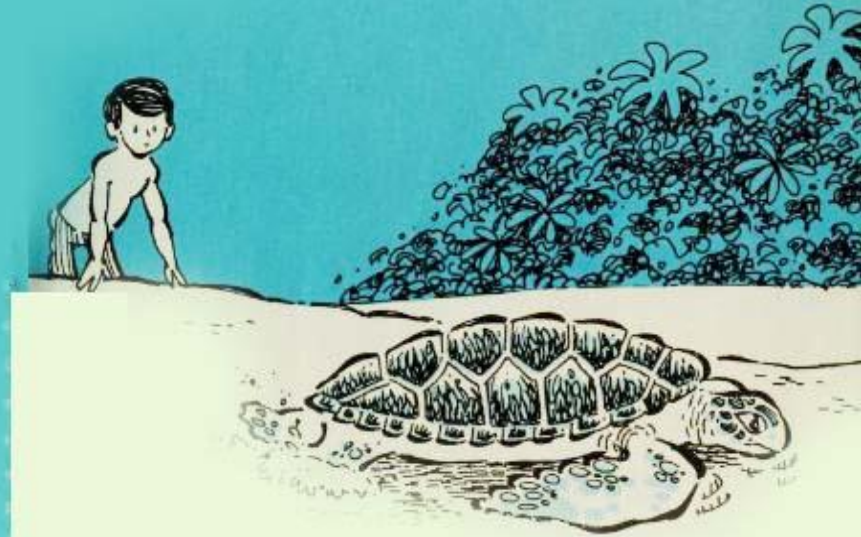
स्टीवन ने देखा कि एक बड़ा कछुआ
पानी से बाहर आ रहा था.
कछुए ने समुद्र तट को पार किया.
उसने अपनी पिछली फ्लिपर्स के
साथ एक छेद खोदना शुरू किया.
स्टीवन भी कछुए के पीछे रेंगता रहा.

वो कछुए को स्पष्ट रूप से
देख सकता था.
उसने उसके सामने
वाले फ्लिपर्स को देखा.
उसके किनारे कटे हुए थे.
वो निकी थी!
स्टीवन इतना खुश हुआ
कि वह रोने लगा.
उसने उसे अपने गले लगाया.
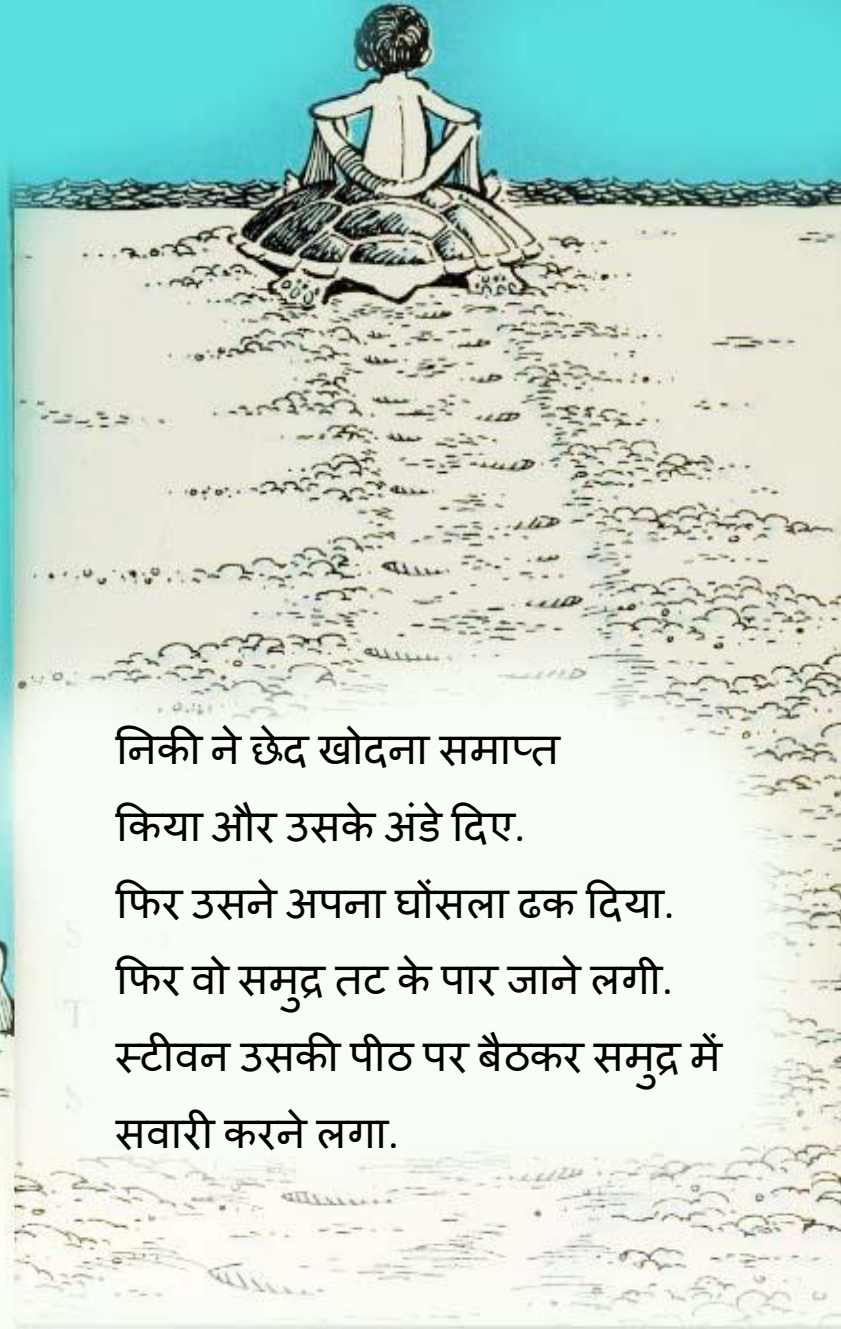
निकी ने छेद खोदना समाप्त
किया और उसके अंडे दिए.
फिर उसने अपना घोंसला ढक दिया.
फिर वो समुद्र तट के पार जाने लगी.
स्टीवन उसकी पीठ पर बैठकर समुद्र में
सवारी करने लगा.

किनारे पर उसने निकी को
फिर से अलविदा कहा.
"जब तुम और अंडे देने के
लिए वापस आओगी
तो मैं तुम्हें देखूंगा," उसने कहा.

स्टीवन ने निकी के अंडे खोदे.
उसने उन्हें अपने आँगन में दफना दिया.
अगले दिन उसने अंडों के चारों ओर
एक बाड़ बनाई जिससे वो
कुत्तों को, अंडे खोदने से रोक सके.

स्टीवन ने दो महीने इंतजार किया.
वो रोज सुबह होने से पहले उठता
और घोंसला देखता.
अंत में एक सिर रेत से बाहर
निकला.
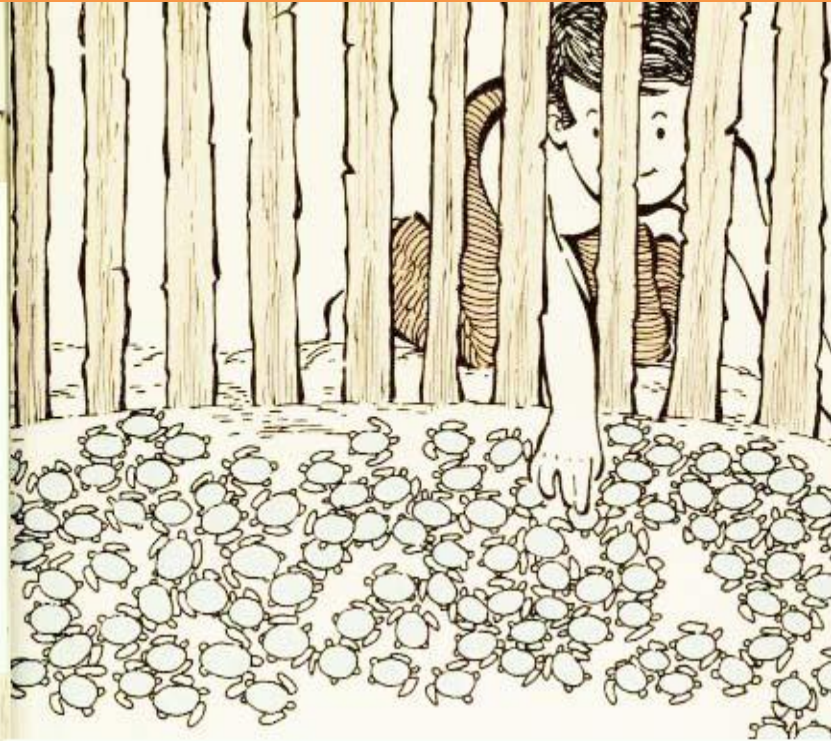
धीरे-धीरे सभी बच्चे रेत से बाहर आए.
वे लगभग सौ थे.
स्टीवन ने एक कछुए के फ्लिपर्स के
किनारों को कटे हुए देखा.
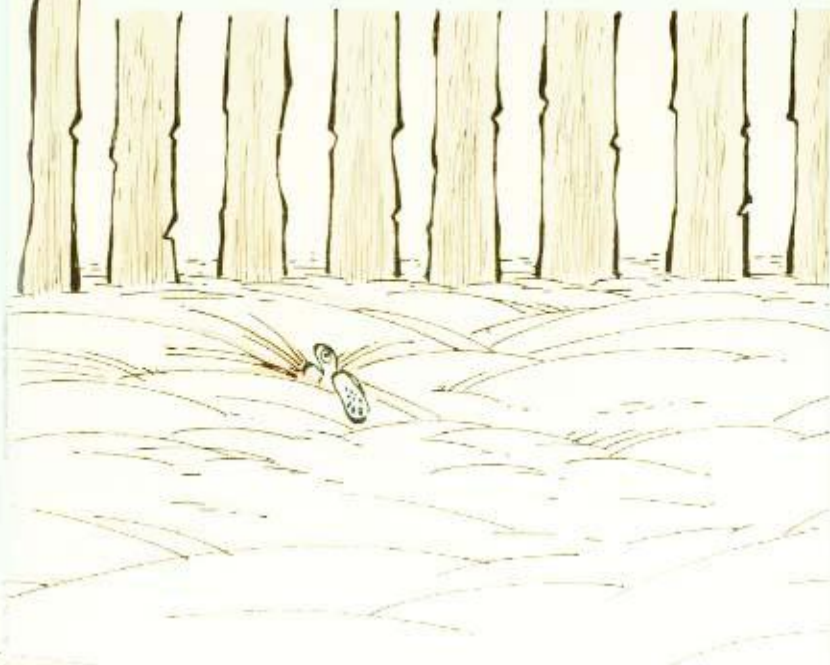
स्टीवन ने उसे उठाया.

"तुम बिल्कुल अपनी माँ की

तरह ही दिखती हो," उसने कहा.

"मैं तुम्हें निकी जूनियर बुलाऊंगा.

अभी तुम बच्चे हो इसलिए

तुम मेरे साथ रह सकते हो.

मैं तुम्हें चिड़ियों और केकड़ों से

सुरक्षित रखूंगा.
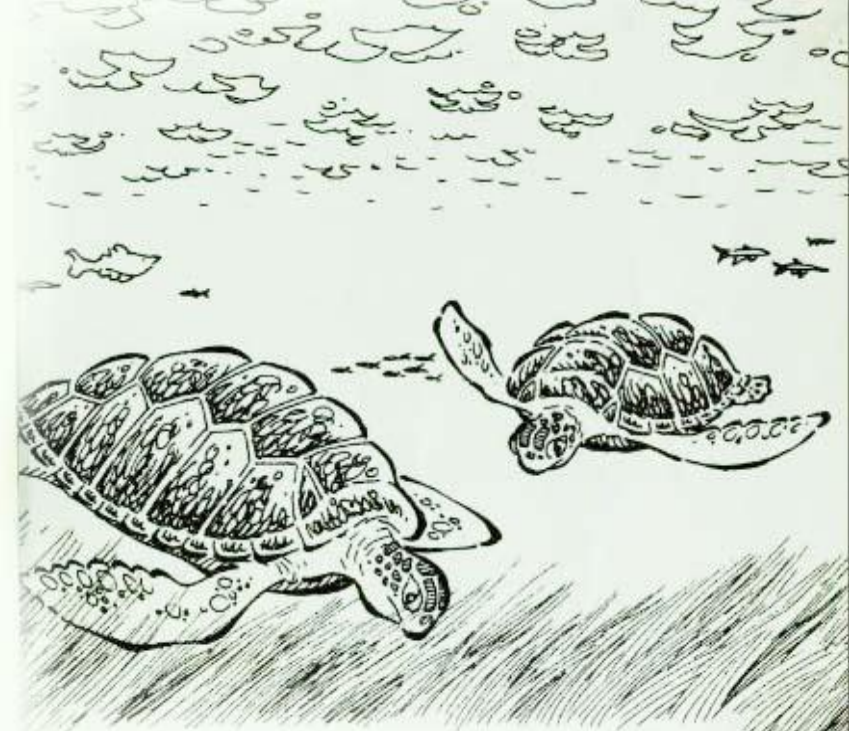
फिर तुम्हारा खोल बड़ा और सख्त हो जाएगा.

'फिर वे तुम्हें खा नहीं पाएंगे.

तब मैं तुम्हें जाने दूँगा.

फिर तुम तैरकर कछुआ-घास में जा सकते हो

जहाँ तुम्हारी माँ होगी.”

वो फिर से अंडे देने के लिए वापस आएगी.

मैं हर साल तुम दोनों को ढूंढूंगा."

समाप्त